APRIL/MAY 2024

23ULH20 — HINDI - II

Time: Three hours

Maximum: 75 marks

SECTION A — $(10 \times 2 = 20 \text{ marks})$

सभी प्रश्नों के उत्तर दें:

एकांकी का कोई एक तत्व लिखिए।

2. माँ बाप एकांकी का सारांश लिखिए।

3. विभाजन एकांकी का मुख्य तत्व बताईये।

4. वो तेरा घर यह मेरा घर के रचयिता कौन है?

5. वो तेरा घर यह मेरा घर का सारांश लिखिए।

6. लक्ष्मी का स्वागत किसकी रचना है?

7. माँ बाप किसकी रचना है?

8. बड़ी घर की बेटी किसकी रचना है?

- 9. मेहनत करो.... सफल नहीं होगे (समुच्चय बोधक शब्द के साथ पूरा कीजिये)
- 10. महाकवि भारतियार कौन थे?

SECTION B — $(5 \times 5 = 25 \text{ marks})$

संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

11. (a) जिन दिलचस्पियों और तफरीहों की वो बचपन से आदी थी, उनका यहाँ वजूद भी न था।

या .

- (b) जिस तरह सूखी लकड़ी जल्दी से जल उठती है। उसी तरह भूक से बावला इंसान जरा-जरा बात पर तुनक जाता है।
- 12. (a) "क्या पापा आप भी बेटा-बेटी करने लगे हैं, ये सब फिजल के बातें है।"

य

- (b) कई बार अनकहे शब्द भी बहुत कुछ कह जाते हैं।
- 13. (a) गर्मियों में साढ़े ग्यारह का कोई विशेष मतलब नहीं होता। यों उसके घर में सभी जल्दी सोया करते, जल्दी खाया और जल्दी उठा करते हैं।

या

(b) रात्रि में शहर का आभास कुछ पलों के लिए मर-सा गया है।

- (iii) वह आया देर से।
- (iv) तुमने मना किया था मैं नहीं आया।
- (v) वह बहुत मेहनत कर रहा है सफल हो सके।

या

- (b) दिए गए वाक्यों को विस्मयादिबोधक शब्दों का चयन कीजिए।
 - (i) क्या! यह सच में मुझे दिया गया है?
 - (ii) बाप रे बाप! कितना बड़ा पेड़ है।
 - (iii) चुप! तुम्हें बोलने का अधिकार नहीं है।
 - (iv) जी! आपने सही समझा।
 - (v) शाबाश! तुमने बहुत अच्छा काम किया है।

SECTION C — $(3 \times 10 = 30 \text{ marks})$

किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर विस्तार से लिखिए।

अंतिम प्रश्न अनिवार्य है।

- लक्ष्मी का स्वागत कहानी का सारांश लिखिए।
- 17. माँ बाप कहानी का सारांश लिखिए।
- 18. विभाजन कहानी में लेखक ने किस विषय पर लिखा है।

- 19. महाकवि भारतियार का परिचय दीजिये।
- 20. गद्यांश के लिए उचित शीर्षक देकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

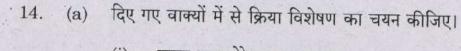
जिस विद्यार्थी ने समय की कीमत समझ ली, वह सफलता को अवश्य प्राप्त करता है। प्रत्येक विद्यार्थी को अपनी दिनचर्या की समय-सारिणी अथवा तालिका बनाकर उसका पूरी दृढ़ता से पालन करना चाहिए। जिस विद्यार्थी ने समय का सही उपयोग करना सीक लिया, उसके लिए कोई भी कार्य असंभव नहीं है। कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो किसी कार्य के पूरा न होने पर समय की दुहाई दिया करते हैं। वास्तव में सच्चाई इसके विपरीत होती है। अपनी अकर्मण्यता और आलस्य को वे समय की कमी के बहाने छिपाते हैं। कुछ लोगों को अकर्मण्य रहकर निठल्ले समय बिताना अच्छा लगता है। ऐसे लोग केवल बात्नी होते हैं।

LIBRARY COLLEGE

दुनिया के सफलतम व्यक्तियों ने सदैव कार्य-व्यस्तता में जीवन बिताया है। उनकी सफलता का रहस्य समय का सदुपयोग रहा है। दुनिया में अथवा प्रकृति में हर वस्तु का समय निश्चित है। बीत जाने पर कार्य फलप्रद नहीं होता। सूरज यदि समय पर उदय होना व अस्त होना बंद कर दे, वर्षा यदि समय पर न हो, किसान समय पर अनाज न बोए, तो कैसी स्थिति हो जाएगी? ठीक इसी प्रकार यदि विद्यार्थी समय की कीमत नहीं समझेगा तो वह सफलता नहीं प्राप्त कर सकता। परीक्षा के समय यदि विद्यार्थी परिश्रम नहीं करेगा और उस दिन आरा करेगा तो उसे वांछित सफलता नहीं मिल सकती।

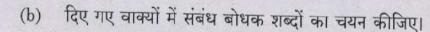
5

- (a) सफलता पाने के लिए विद्यार्थी को क्या आवश्यक है?
- (b) कुछ विद्यार्थी काम न पूरा होने पर क्या बहाना बनाते हैं?
- (c) बातूनी और सफल व्यक्तियों में क्या अंतर होता है?
- (d) प्रकृति द्वारा समय के सदुपयोग के दो उदाहरण दीजिए।
- (e) विद्यार्थी द्वारा समय की कीमत न समझने से क्या हानियाँ हैं?



- (i) श्यामू कल मेरे घर आया था।
- (ii) हिमांशु ध्यान से चलता है।
- (iii) तुम अपने दाहिने ओर गिर जाओ।
- (iv) आज मेरे पास बिलकुल समय नहीं है।
- (v) वह रोज़ अपने घर की सफाई करता है।

या



- (i) सीता घर से भीतर बैठी है।
- (ii) शीत के कारण गरीब का बुरा हाल था।
- (iii) ट्रेन समय से पहले आ गई।
- (iv) उसके जाने के लगभग एक घंटे बाद जाऊँगा।
- (v) आग की ओर मत जाना।

15. (a) दिए गए वाक्यों को समुच्चय बोधक शब्दों के साथ पूरा कीजिए।

- (i) राम श्याम भाई-भाई हैं।
- (ii) तुमं ढंग से पढ़ो फेल हो जाओगे।

